विश्वव्यापी गर्मी पर अमेरिका की नई दृष्टि

राष्ट्रपति बराक ओबामा ऊर्जा और जलवायु नीति के मोर्चे पर हुए तुरंत सक्रिय

जलवायु परिवर्तन का संबंध पूरे पृथ्वी ग्रह से है लेकिन इसके प्रभाव जैसे समुद्रों में जल-स्तर की वृद्धि, सिकुड़ते ग्लेशियर, पेड़-पौधों और प्राणियों की संख्या में परिवर्तन, पेड़ों में जल्दी फूल खिलने आदि क्षेत्रीय और स्थानीय होते हैं।

इनमें से कई प्रभाव साफ दिखाई दे रहे हैं। बराक ओबामा प्रशासन जलवायु परिवर्तन तथा ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए अन्य राष्ट्रों का सहयोग लेकर अमेरिका को जल्द से जल्द नेतृत्व वाली स्थिति में लाना चाहता है।

जनवरी में दो ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने से पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने कहा, ''अपनी सुरक्षा, अपनी अर्थव्यवस्था और अपने ग्रह के परिवर्तन के लिए हम में साहस और वचनबद्धता होनी चाहिए। विदेशी तेल पर निर्भरता को त्यागना और एक ऐसी नई ऊर्जा अर्थव्यवस्था का निर्माण जिससे लाखों रोज़गार पैदा हों, मेरे प्रशासन की नीति होगी।''

एक 'बड़े और लगातार प्रयास के तहत तत्काल भुगतान' की बात करते हुए राष्ट्रपति ने विदेशी तेल पर निर्भरता कम करने के लिए परिवहन विभाग को अमेरिका के कार-निर्माताओं के लिए ईंधन क्षमता मानक तय करने का निर्देश दिया।

दूसरे ज्ञापन में अमेरिकी पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी को निर्देश दिया गया कि वह मोटर वाहनों द्वारा ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के बारे में संघीय सरकार की ओर से लागू सीमाओं को और भी कड़ा बनाने के लिए कैलिफोर्निया की याचिका पर पुनर्विचार करे।

राष्ट्रपति ओबामा ने कहा, ''हम पूरे विश्व के सामने यह स्पष्ट कर देंगे कि अमेरिका इस दिशा में नेतृत्व के लिए तैयार है।'' अपने चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से जूझने, ईंधन की खपत को कम करने और विदेशी ऊर्जा स्रोतों पर अमेरिका की निर्भरता कम करने का आश्वासन दिया था।

राष्ट्रपति ने कहा कि वे अमेरिका को वैश्विक गठबंधन का साथी मानते हैं जिसके सदस्य वैश्विक जलवायु और सामूहिक सुरक्षा के लिए एकजुट होकर काम करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'जैसे यह सब करने के लिए हम अपनी इच्छा व्यक्त कर रहे हैं,' वैसे ही चीन और भारत जैसी अर्थव्यवस्थाओं को भी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने में भूमिका निभानी चाहिए।

इस बीच अमेरिका ने भारत समेत 16 देशों को जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ ऊर्जा उपक्रमों के मसले पर विचार के लिए एक फ़ोरम में आमंत्रित किया है। बैठक का एजेंडा प्रौद्योगिकी, वित्तपोषण और उत्सर्जन कारोबार है। इसकी मेज़बानी अमेरिकी विदेश विभाग कर रहा है। व्हाइट हाउस के प्रेस सेक्रेटरी राबर्ट्स गिब्स कहते हैं, ''प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के फ़ोरम में विकसित एवं विकासशील देशों के बीच साफ बातचीत होगी जिससे दिसंबर में कोपनहेगन में होने वाली संयुक्त राष्ट्र जलवायु बदलाव वार्ता के दौरान कोई नतीज़ा निकालने के लिए आवश्यक राजनीतिक नेतृत्व तैयार करने में मदद मिलेगी। उन ठोस पहलों और संयुक्त उपक्रमों को आगे बढ़ाया जा सकेगा जो स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति बढ़ाएं और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करें।''

अपने पहले ज्ञापन में राष्ट्रपति ओबामा ने परिवहन विभाग को 2011 के कार मॉडलों के लिए मार्च माह तक नए ईंधन-मितव्ययता के मानक तय करने का निर्देश दिया। अमेरिकी कांग्रेस ने 2007 में औसत ईंधन मितव्ययता मानक को प्रत्येक ऑटो फ्लीट के लिए देर से देर 2020 तक 15.1 किलोमीटर प्रति लीटर तक बढ़ाने का कानून पारित किया। ऑटो फ्लीट का मतलब प्रत्येक वाहन निर्माता द्वारा एक साथ निर्मित पैसेंजर कारों से है। लेकिन, पिछले प्रशासन ने इस कानून को लागू नहीं किया।

ज़्यादा जानकारी के लिए:

ऊर्जा स्वतंत्रता का रास्ता

http://www.whitehouse.gov/blog_post/Fromperiltoprogress/

रॉन एडमंड्स © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

राष्ट्रपति बराक ओबामा ने जनवरी में व्हाइट हाउस में ऊर्जा स्वतंत्रता और जलवायु बदलाव पर एक आदेश जारी किया। उनके पीछे हैं (बाएं से) अमेरिका के परिवहन मंत्री रे लाहूड और अमेरिकी पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी की प्रशासक लीजा जैक्सन।

राष्ट्रपति ओबामा के इस अनुरोध से वाहन निर्माताओं को बदलाव के लिए 18 माह का समय मिल जाएगा। उन्होंने कहा, ''हमारा मकसद पहले से ही जूझ रहे उद्योग पर और बोझ डाल देना नहीं है। यह तो अमेरिका के वाहन निर्माताओं को भविष्य के लिए तैयार करने का प्रयास है।'' राष्ट्रपति ने उस विनियामक बाधा को भी हटा दिया जिसके चलते कैलिफोर्निया तथा दर्जन भर से भी अधिक अन्य राज्य वाहन उत्सर्जन मानकों को राष्ट्रीय स्तर से ऊपर नहीं उठा पा रहे थे।

दूसरे ज्ञापन में उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी को कैलिफोर्निया राज्य के अनुरोध पर पुनर्विचार करने और वाहनों के कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन पर स्वयं अपनी कड़ी सीमाएं तय करने के अनुरोध पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया।

''एक सहयोगी के रूप में काम करने के बजाय वाशिंगटन उनकी राह में खड़ा हो गया। वाशिंगटन के अड़ने के दिन बीत गए हैं,'' उन्होंने कहा। ग्लोबल वार्मिंग का सामना करने के लिए कैलिफोर्निया की 2016 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 30 प्रतिशत तक कम करने की योजना अब तक किसी भी राज्य अथवा संघीय प्राधिकरण की तुलना में सबसे महत्वाकांक्षी प्रयास है।

ओबामा ने कहा कि अमेरिका कठिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण कार्रवाई में कोई विलंब नहीं करेगा। उन्होंने कहा, असल में जलवायु हितैषी नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने से मंद अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नई शक्ति मिलेगी और तेल के आयात में भी कमी होगी।

उन्होंने कहा, ''अमेरिका घटते संसाधनों, विरोधी शासनों और गरमाते ग्रह की समस्याओं के आगे घुटने नहीं टेकेगा। इतिहास के इस मोड़ पर अब अपने देश के लिए सुरक्षित, हमारे ग्रह के लिए समृद्धिदायक और सतत चलने वाले भविष्य को चुनने और चुनौतियों का सामना करने का समय आ गया है।''

अमेरिकी विदेश विभाग के ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल इन्फॉर्मेशन प्रोग्राम्स से